स्मारिका
2023

बाड़ौली मन्दिर - समूह से अपहत् पूर्व मध्यकालीन भगवान नटराज शिव की प्रतिमा के पुनः प्राप्ति के उपलक्ष्य में माननीय केन्द्रिय राज्य मंत्री, संस्कृति एवं संसदीय मामलात **श्री अर्जुनराम मेघवाल** के कर कमलों द्वारा एवं माननीय सासंद **श्री चन्द्रप्रकाश जोशी**, लोकसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़ की गरिमामयी उपस्थिति में स्मारिका विमोचन

अधीक्षण पुरातत्त्वविद्
भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण, जोधपुर मण्डल, जोधपुर

प्रथम एवं द्वितीय तल, टेलिफोन एक्सचेन्ज भवन, कमला नेहरू नगर, तृतीय विस्तार, जोधपुर 342003
दूरभाष : 0291-2750029,2750030, ई-मेल : circlejdh.asi@gmail.com

District-Wise Jurisdiction of A.S.I. Jodhpur Circle

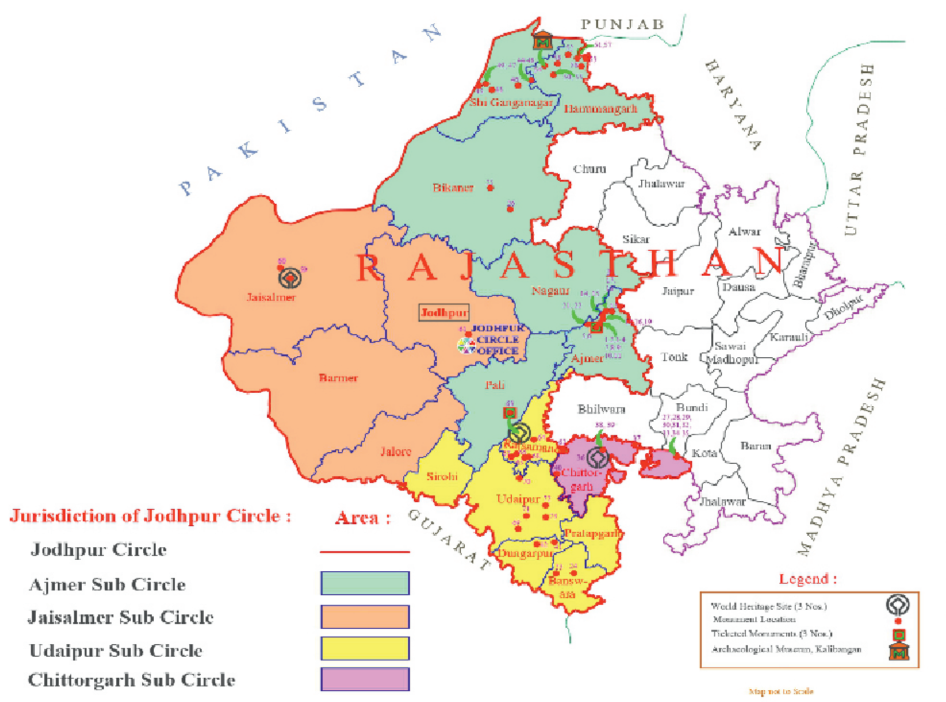

District wise no. of CPMs/Sites

Sl. No.	Name of District	No. of Monuments /Sites
Ajmer Sub Circle		
1	Ajmer	22
2	Nagaur	0
3	Pali	0
4	Bikaner	2
5	Ganganagar	7
6	Hanumangarh	9
Chittorgarh Sub Circle		
7	Chittorgarh	14
Jaisalmer Sub Circle		
8	Barmer	0
9	Jaisalmer	2
10	Jalore	0
11	Jodhpur	1
Udaipur Sub Circle		
12	Banswara	2
13	Dungarpur	2
14	Pratapgarh	0
15	Rajsamand	7
16	Sirohi	0
17	Udaipur	5
	Total	73

Sub Circle wise no. of monuments

Sl. No.	Name of Sub Circle	Number of Monument/Sites
1	Ajmer Sub Circle	40
2	Chittorgarh Sub Circle	14
3	Jaisalmer Sub Circle	3
4	Udaipur Sub Circle	16
	Total	73

चित्तौड़गढ़ दुर्ग

मेवाड़ की राजधानी चित्तौड़गढ़ अथवा प्राचीन चित्रकूट सातवीं से सोलहवीं शती ई. के मध्य तक राजपूत सत्ता का मुख्य केन्द्र रहा। जनश्रुति के अनुसार इस किले का निर्माण गौरी वंश के राजा चित्रांगद ने सातवीं शती ई. में करवाया था । महाराणा कुम्भा (1433-68 ई.) ने किले में स्थित अधिकांश मन्दिरों तथा भवनों में परिवर्तन एवं परिवर्द्धन करवाया। चितौड़ कई राजवंशों के अधिकार में रहा, जिसमें मौरी या मौर्य (7-8वीं शती, प्रतिहार 9-10वीं शती, परमार 10-11वीं शती, सोलंकी 12वीं शती) तथा गहलोत एवं सिसोदिया प्रमुख है। अपने लम्बे इतिहास में इस किले पर तीन बार आक्रमण हुआ - 1303 ई में अलाउद्दीन खिलजी द्वारा, 1535 ई. में गुजरात के शासक बहादुर शाह द्वारा तथा 1567-68 ई. में मुगल शासक अकबर के समय में और तीनों बार इसकी परिणिति जौहर के रुप में हुई। वीरता और बलिदान की अनूठी घटनाओं के साथ ही चित्तौड़ स्थापत्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण केन्द्र रहा।

किले में स्थित कुम्भा महल, पद्मिनी महल, रतन सिंह महल, भामाशाह महल, विजय स्तम्भ, किर्ती स्तम्भ, तोपखाना, कुम्भा-स्वामिन मंदिर, मीरा मन्दिर, कालिका माता मन्दिर, समाधीश्वर मन्दिर, क्षेमांकरी मन्दिर, शांतिनाथ मन्दिर (श्रृंगार चौरी), जैन सत-बीस देवरी के अलावा गौमुख कुण्ड, कुकड़ेश्वर कुण्ड, सुखाड़िया कुण्ड और भीमलत कुण्ड आदि राजपूत स्थापत्य कला के अनेक श्रेष्ठ उदाहरण हैं।

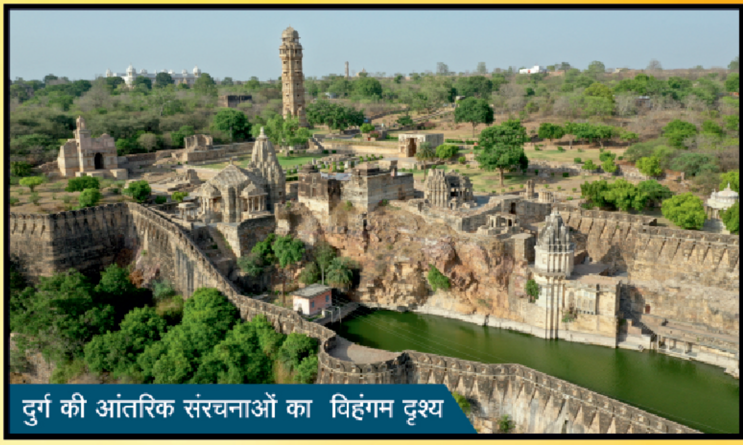

दुर्ग की आंतरिक संरचनाओं का विहंगम दृश्य

कुम्भा महल परिसर का विहंगम दृश्य

सत बीस देवरी का विहंगम दृश्य

रतनसिंह महल का विहंगम दृश्य

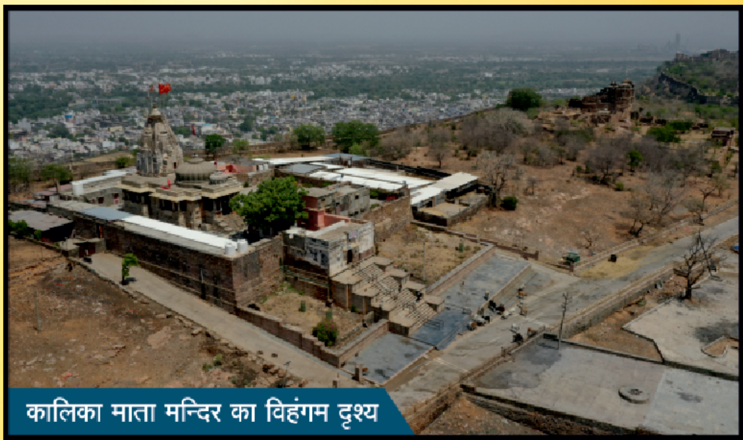

कालिका माता मन्दिर का विहंगम दृश्य

मानपुरा - भानपुरा हवेली का विहंगम दृश्य

अद्‌भुतनाथ मन्दिर, चित्तौड़गढ़ दुर्ग

जटाशंकर महादेव मन्दिर, चित्तौड़गढ़ दुर्ग

पतालेश्वर महादेव मन्दिर, चित्तौड़गढ़ दुर्ग

चुडावत हवेली, चित्तौड़गढ़ दुर्ग की विहंगम दृश्य

त्रिपोलिया द्वार,, चित्तौड़गढ़ दुर्ग का सामान्य दृश्य

भामाशाह हवेली, चित्तौड़गढ़ दुर्ग

मन्दिरों का समूह, बाड़ौली

बाड़ौली चम्बल नदी के तट पर चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित है । यह पूर्व में घना वन क्षेत्र था, लेकिन राणा प्रताप सागर बांध का निर्माण शुरु होने के साथ ही यह स्थल आबादी युक्त हो गया । ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी के अधिकारी कर्नल जेम्स टॉड ने 1821 ई. में इस स्थल का दौरा किया तथा मन्दिरों का आलेखीय विवरण दिया । बाड़ौली 9 मन्दिरों का एक समूह है जो शैलीगत रूप से 10 वीं शती के है। यह मन्दिर शिव, विष्णु, गणेश, महिषासुरमर्दिनी, और माताजी को समर्पित है। मुख्य मन्दिर को घाटेश्वर महादेव कहा जाता है। यह समूह का सबसे बड़ा मन्दिर है। घाटेश्वर महादेव मन्दिर पूर्व अभिमुख है और यह मन्दिर बलुआ पत्थर से निर्मित है जिसके केन्द्र में एक तालाब स्थित है, जो एक बारहमासी फव्वारें से पानी प्राप्त करता है एवं आगे एक बारहमसी झरने से जुड़ा है। शिखर खंडित अवस्था में है।

घटेश्वर मन्दिर, बाड़ौली का पार्श्व दृश्य

घटेश्वर महादेव मन्दिर में चौकोर पंचरथ गर्भगृह, अतंराल, स्तंम्भौ युक्त मुखमडंप तथा घुमावदार लैटिन शैली का शिखर है। गर्भगृह में शिवलिंग स्थापित है तथा गर्भगृह की पिछली दीवार पर पार्वती की खड़ी प्रतिमा स्थापित है। शिव की एक नृत्यरत्त प्रतिमा ललाटबिम्ब पर स्थापित है जिसके दोनों ओर बृम्हा एवं विष्णु का अंकन है। मन्दिर के जंघा भाग में तीन प्रमुख दिशाओं में भद्रालय है जिनमें चामुण्डा, नृत्यरत्त शिव (उत्तर),अंधकंटक शिव (दक्षिण) तथा नटराज शिव (पश्चिम) की प्रतिमाएँ उत्त्कीर्ण है।

मन्दिर के मुखमडंल में सुन्दर तोरण के द्वारा प्रवेश किया जाता है जहाँ सामने के स्तम्भ पर सुरासुन्दरियों के नृत्य अवस्था का उद्‌वितीय अंकन है

घटेश्वर मन्दिर, बाड़ौली का सामने से दृश्य

घटेश्वर मन्दिर के पश्चिम भद्रालय में पूर्व में स्थापित शिव की नटराज प्रतिमा 1.26 मीटर लम्बी तथा 0.74 मीटर चौड़ी है जो पांडुरंगी बलुआ पत्थर से निर्मित है। शिव कमल पर नृत्य मुद्रा में दस सशस्त्र युक्त खड़े है तथा उनका दाहिना पैर ऊपर उठा हुआ है। दाहिने पैर का अंगूठा कमल को स्पर्श कर रहा है। दाहिने हाथ में डमरु, बाएँ हाथ में वस्त्र एवं कपाल धारण कर रखा है, ऊपर के दोनों हाथ सर्प को पकड़े हुए ऊपर की ओर उठे हुए हैं। तीन दाहिने एवं दो बाएँ हाथ क्षतिग्रस्त हैं। शिव जटामुकुट, कर्णकुण्डल, ग्रेव्याक, कटीमेखला भुजबंध, कंकण, यज्ञोपवित और घुटने के नीचे लटकती लम्बी माला धारण किये हुए हैं। सिर के पीछे पूर्ण खिले हुए कमल का प्रभामण्डल दिखाया गया है। सिर के दोनों ओर बांसुरी बजाते गन्धर्वों के जोड़े का अंकन है। खड़ा हुआ पुरुष भक्त पैरों के दोनों ओर दिखाया गया हैं तथा बाएँ पैर के निकट महिला को वाद्ययन्त्र बजाते दिखाया गया है। नंदी का अंकन पैरों के पीछे है। गंगा और यमुना रुपी वाहन का अंकन आले के आधार पर है।

घटेश्वर मन्दिर, बाड़ौली के बाह्य मण्डप के स्तम्भों का दृश्य

घटेश्वर मन्दिर, बाड़ौली के बाह्य मण्डप का आंतरिक दृश्य

नटराज प्रतिमा की चोरी एवं पुनः प्राप्ति

वर्ष 1992 के दौरान चोरी के एक असफल प्रयास में भगवान नटराज की इस प्रतिमा का पाद क्षतिग्रस्त हो गया था। 15-16 फरवरी, 1998 की मध्य रात्रि को चोरों ने इस प्रतिमा को चुराया, जिसकी विभाग ने पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करवाई तथा पुलिस ने दिनांक 18 फरवरी 1998 को धारा 379 के तहत क्रम संख्या 41/098 पर शिकायत दर्ज की। विभाग को गुमराह करने की नीयत से चोरों ने वर्ष 1998 के दौरान उक्त प्रतिमा की प्रतिकृति (नकल) को बाड़ौली मन्दिर समूह के निकट कोटा-रावतभाटा सड़क मार्ग पर फेंक दिया, जिसकी रिपोर्ट तत्कालीन स्मारक प्रभारी ने 17 अप्रेल 1998 को उच्चतर कार्यालय को भेजी। इस नकली प्रतिमा को रावतभाटा पुलिस थाना में रखा गया तथा जून 2000 को विभाग को सौंपा गया। वर्ष 2003 के दौरान प्रतिमा के विस्तृत दस्तावेजीकरण के दौरान विभागीय पुरातत्त्व विशेषज्ञों ने प्रतिमा की प्रमाणिकता पर प्रश्न चिन्ह लगाया तथा यह भी प्रकट किया कि प्रतिमा पर उकेरित छेनी के निशान भी इस की मौलिकता को संदिग्ध करते हैं। कालान्तर में वर्ष 2004 के दौरान डॉ. जी.सी. चावले, तत्कालीन निदेशक, भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली की अध्यक्षता में घटित समिति ने प्रतिमा का गहन अनुसंधान कर इसे गैर पुरावशेष घोषित किया

घटेश्वर मन्दिर, बाड़ौली में पूर्व में स्थापित नटराज प्रतिमा

मूर्ति चोरों द्वारा छोड़ी गई मूल प्रतिमा की नकल

मामले में पुलिस की तहकीकात के दौरान ज्ञात हुआ कि घटेश्वर मन्दिर से इस नटराज प्रतिमा को मूर्ति चोर विधिचन्द और बन्नेसिंह गुर्जर पहलवान ने चुराया, जिनके गिरोह का सरगना वामन नारायण घिया था। चोरों ने पुलिस अभिरक्षा में पुछताछ में बताया कि दिल्ली निवासी सत्यदेव शर्मा से मूल प्रतिमा की हुबहू नकल तैयार करवाई और पुलिस से बचने हेतू उसे सड़क किनारे छोड़ा। चोरों ने मूल प्रतिमा लन्दन निवासी जे. कैरिम्मन को 85 लाख रुपये में बेची।

सरगना सहित पांच मूर्ति चोर गिरफ्तार, 17 दुर्लभ मूर्तियां बरामद

दिनांक 08 जून 2003 को प्रकाशित खबर

आपरेशन अंडर कवर

दिनांक 08 जून 2003 को प्रकाशित खबर

UK-based auction houses under scanner in idol smuggling case

दिनांक 10 जून 2003 को प्रकाशित खबर

मिल्कियत बताओ, अपनी मूर्तियां लो

इंटरपोल की पुरातत्व विभाग के सामने शर्त, पुरानी मूर्तियां प्रमाण-पत्र देने पर ही मिलेंगी

दिनांक 18 सितम्बर 2005 को प्रकाशित खबर

भारत सरकार और भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग के संयुक्त प्रयासों से यह मामला इन्टरपोल में दर्ज हुआ तथा दिनांक 10 अगस्त, 2020 को मूल प्रतिमा भारतीय उच्च आयोग, लन्दन से पुनः प्राप्त हुई। बड़े ही हर्ष का विषय है कि भगवान नटराज शिव की इस अप्रतिम सुन्दर प्रतिमा को माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (संस्कृति एवं संसदीय मामलात), श्री अर्जुनराम मेघवाल के कर कमलों द्वारा माननीय सांसद श्री चन्द्रप्रकाश जोशी की गरिमामयी उपस्थिति में तथा अपर महानिदेशक श्रीमान् आलोक त्रिपाठी एवं निदेशक (पुरावशेष) श्रीमान् अनिल कुमार तिवारी के सानिंध्य में आज दिनांक 15 जनवरी 2023 को चौरी के लगभग 25 वर्ष बाद विभाग को पुनः सुपुर्द किया जा रहा है।

चित्तौड़गढ़ दुर्ग के विभिन्न विशाल प्रवेश द्वार

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग के जन जागरुकता कार्यक्रमों की झलकियाँ

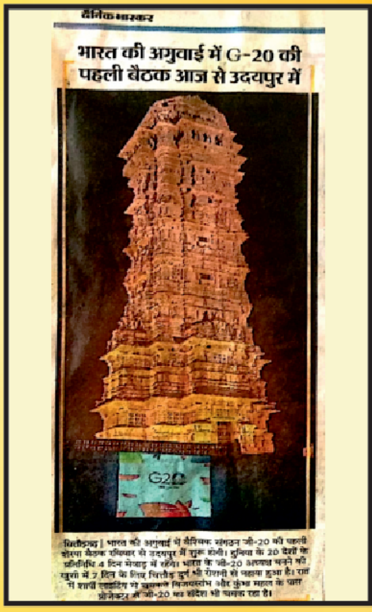

दैनिक भास्कर

भारत की अगुवाई में G-20 की पहली बैठक आज से उदयपुर में

चित्तौड़गढ़ | भारत की अगुवाई में वैश्विक संगठन जी-20 की पहली शेरपा बैठक रविवार से उदयपुर में शुरू होगी। दुनिया के 20 देशों के प्रतिनिधि 4 दिन मेवाड़ में रहेंगे। भारत के जी-20 अध्यक्ष बनने की खुशी में 7 दिन के लिए चित्तौड़ दुर्ग भी रोशनी से नहाया हुआ है। रात में शार्प लाइटिंग से चमकते विजयस्तंभ और कुंभा महल के पास प्रोजेक्टर से जी-20 का संदेश भी चमक रहा है।

भारत को जी-20 समूह की अध्यक्षता मिलने की खुशी में जगमग विजय स्तम्भ दिनांक 04.12.2022

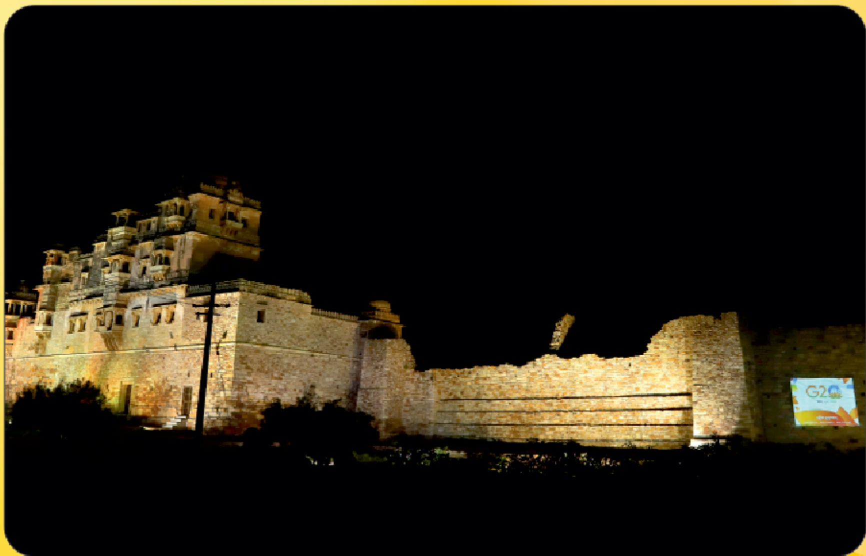

जी-20 समूह की प्रथम शेरपा बैठक के दौरान रोशनी से नहाया कुम्भा महल

स्वतन्त्रता दिवस 2022 को महानाल मन्दिर, मैनाल में की गई रोशनी

स्वतन्त्रता दिवस 2022 पर तिरंगा रोशनी से जगमग कुम्भा महल

भारत को G-20 की सदारद का जश्न: मेवाड़ में पहली बैठक से किले पर 7 दिन दिवाली

चित्तौड़गढ़ | अभी न दिवाली है, न मीरा महोत्सव और न ही नया साल। चित्तौड़गढ़ किले पर ये बेमौसम जगमगाहट असल में भारत को मिली जी-20 सदारत का जश्न है। केंद्र सरकार के आदेश पर पहली बार एएसआई ने दुर्ग को 7 दिन के लिए इस तरह सुसज्जित किया है। क्योंकि जी-20 की पहली शेरपा बैठक भी 4 से 7 दिसंबर तक उदयपुर में हो रही है। बुधवार को लाइटिंग का ट्रायल किया गया था। विधिवत 1 से 7 दिसंबर तक ये रोशनी रहेगी। आम तौर पर किले पर इस तरह की रोशनी दीपावली पर नगर परिषद और मीरा महोत्सव पर मीरा संस्थान द्वारा ही की जाती है। जी-20 की खुशी में देशभर के 100 स्मारकों को रोशन करने के केंद्र के निर्देश पर पहली बार एएसआई ने 7 दिन के लिए यह रोशनी उत्सव किया।

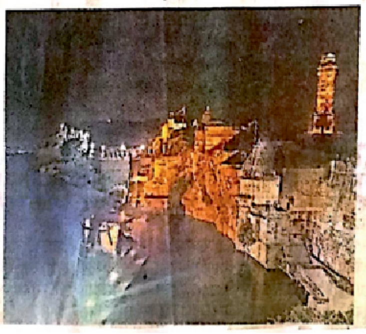

हार्ट ऑफ फोर्ट: गोमुख-विजयस्तंभ कांपलेक्स पर किया फोकस

एएसआई ने कुकड़ेश्वर कुंड से फत्ता हवेली तक करीब दो किमी प्राचीर पर करीब 500 लाइटें लगाई। शार्पी लाइटिंग से 9 मंजिला विजयस्तंभ दूर तक रोशन दिख रहा। नीचे गोमुख कुंड, पास में समिद्धेश्वर मंदिर, जौहर स्थली आदि के रूप में विजयस्तंभ कांपलेक्स पर ही सबसे ज्यादा फोकस किया गया। रामपोल, कुंभामहल पर रोशनी के साथ नौलखा भंडार पर प्रोजेक्टर से जी-20 का लोगो व संदेश प्रसारित हो रहा है। लबालब भरा गोमुख कुंड का पानी भी रोशनी से झिलमिला रहा है। - फोटो: पवन बैरागी

चित्तौड़गढ़ • निम्बाहेड़ा | कपासन • गंगरार | dainikbhaskar.com

खुशी • चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर 100 स्मारक रोशनी से जगमग होंगे, भारत देश के जी 20 के अध्यक्ष बनने की खुशी में होगा आयोजन

आज से 7 दिन तक जगमगाएगी दुर्ग की प्राचीर

भास्कर संवाददाता | चित्तौड़गढ़

[illegible]

पर्यटन, संस्कृति व त्योहारों को जोड़ने का मकसद

[illegible]

बैठक में इन पर चर्चा • आर्थिक मामले, आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, अंतरराष्ट्रीय मुद्दे, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा पर चर्चा होगी

दुर्ग पर की गई आकर्षक लाइटिंग

चित्तौड़गढ़ दुर्ग की प्राचीर पर लगाई जा रही है लाइटें।

ये देश भी आमंत्रित... [illegible]

लोगों भी लगेगा... [illegible]

'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य'... [illegible]

पत्रिका {चित्तौड़गढ़}

Chittorgarh

अमृत महोत्सव: गांव-गांव, नगर-डगर लोगों में भारी उत्साह

धर्म गुरूओं को दिए तिरंगे, घर-घर लहराया तिरंगा

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

हर घर तिरंगा घर-घर तिरंगा अभियान को आगे बढ़ाते हुए भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने धर्मगुरुओं का तिरंगा भेंट किया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला प्रभारी सतपाल दुआ ने बताया कि ... एम.डी. शेख के नेतृत्व में ... हर काजी अब्दुल मुस्तफा मिस्त्री ... सज्जादानशीन ...

चित्तौड़गढ़ में तिरंगा यात्रा निकालती छात्राएं

चित्तौड़ दुर्ग पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी व लोग। पत्रिका

हाथी कुण्ड, चित्तौड़गढ़ दुर्ग (स्वच्छता कार्यक्रम से पूर्व की अवस्था)

हाथी कुण्ड, चित्तौड़गढ़ दुर्ग (स्वच्छता कार्यक्रम के बाद की अवस्था)

भीमलत कुण्ड, चित्तौड़गढ़ दुर्ग (स्वच्छता कार्यक्रम से पूर्व की अवस्था)

भीमलत कुण्ड, चित्तौड़गढ़ दुर्ग (स्वच्छता कार्यक्रम के बाद की अवस्था)

कुम्भा महल परिसर में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ''नगरी'' में आयोजित कार्यक्रम

कुम्भा महल में आयोजित विश्व धरोहर सप्ताह समारोह का सामूहिक चित्र

विश्व धरोहर सप्ताह समारोह के दौरान मानव श्रृखंला से निर्मित यूनेस्को का लोगो

विश्व धरोहर सप्ताह समारोह के दौरान संरक्षण प्रतिज्ञा लेते विद्यार्थीगण

विश्व धरोहर सप्ताह समारोह के दौरान रंगोली बनाती छात्राएँ

विश्व धरोहर सप्ताह समारोह के दौरान आयोजित चित्र प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी

चित्तौड़गढ़, बुधवार, 22 जून 2022

आकोला, सोनियाणा, पहुंना, सुखवाड़ा, बस्सी, बबराणा, निकुंभ, पारसोली

विश्व विरासत पर किया योगाभ्यास

गोरा बादल में हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

सांसद एवं जिला कलक्टर रहे मौजूद

योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम पर प्रकाशित खबर का अंश

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित ' हेरिटेज वॉक ' का दृश्य

हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित जागरुकता वॉक का दृश्य

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर 'हेरिटेज टॉक ' के आयोजन का दृश्य

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आयोजित 'हेरिटेज वॉक' का दृश्य

अृमत सरोवर योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम

अमृत सरोवर योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम का दृश्य

चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर हाई मास्ट तिरंगा के साथ मनाया गया स्वतन्त्रता दिवस 2022

अमृत सरोवर योजना के तहत आयोजित चित्र प्रदर्शनी का दृश्य

सुविधा • भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने केंद्रीय राज्यमंत्री मेघवाल ने किया उद्घाटन

ताजमहल के बाद विजयस्तंभ दूसरा हैरिटेज होगा जहां पर शिशुओं के लिए मातृत्व कक्ष

भास्कर संवाददाता | चित्तौड़गढ़

दुर्ग पर महिला पर्यटकों की सुविधा के लिए बेबी केयर रूम स्थापित किया गया है। यह विजयस्तंभ के पास पुराने टिकट घर में बनाया गया। आगरा के ताजमहल के बाद यह देश का दूसरा हैरिटेज प्लेस है, जहां एएसआई ने यह सुविधा शुरू की है, ताकि महिला पर्यटक बिना हिचक अपने दूधपीते शिशु की देखभाल कर सकें। सोमवार शाम किले पर आए केंद्रीय कला संस्कृति राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल व सांसद सीपी जोशी के हाथों इसका शुभारंभ कराया गया।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि देश के 80 विरासत स्थलों पर ऐसे शिशुघर स्थापित करने का काम चल रहा है। आगरा के बाद दूसरा चित्तौड़गढ़ में शुरू हो गया है। जल्द कुंभलगढ़ किले में शुरू होगा। महिला पर्यटकों को अपने शिशुओं की देखभाल खासकर स्तनपान में आने वाले परेशानी को देखते हुए एएसआई ने यह फैसला लिया था। चित्तौड़ दुर्ग पर विजयस्तंभ फेमस पाइंट होने के साथ मध्य क्षेत्र व सुरक्षित जगह देखकर भी इस स्थान का चयन किया गया। यहां वाटर कूलर भी लगा है। मंत्री मेघवाल व सांसद जोशी का अधीक्षण पुरातत्वविद बीरीसिंह, डिप्टी इंजीनियर डीसी शर्मा, इंजीनियर सिद्धार्थ वर्मा, संरक्षण सहायक प्रेमचंद शर्मा ने स्वागत किया। पूर्व उपजिला प्रमुख मिठूलाल जाट, सरपंच रणजीतसिंह भाटी, नगर अध्यक्ष सागर सोनी, जिला उपाध्यक्ष श्रवणसिंह राव, युवा मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष हर्षवर्धनसिंह रूद, रघु शर्मा, गौरव त्यागी, पूर्व पार्षद रजनीश भट्ट, फतहलाल भड़कत्या, मुकेश नीलमणी, गोपाल शर्मा, लोकेश त्रिपाठी मौजूद थे। एसडीएम श्यामसुंदर बिश्नोई, डीएसपी बुद्धराज टांक भी तैनात रहे। इस दौरान हर्षवर्धनसिंह रूद ने जौहर स्थल पर अखंड जौहर ज्योति की स्थापना का आग्रह किया।

शिशु देखभाल केंद्र का उद्घाटन करते केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और सांसद सीपी जोशी।

माननीय केन्द्रीय संस्कृति राज्य मंत्री द्वारा शिशु संगोपन कक्ष का उद्घाटन

जल महल, चित्तौड़गढ़ दुर्ग का विहंगम दृश्य

आलेख एवं प्रस्तुति सहायक : रामनिवास मेघवाल, सहायक पुरातत्त्वविद्, जोधपुर मण्डल

बाड़ौली के घटेश्वर महादेव मन्दिर से अपहृत भगवान नटराज शिव की प्रतिमा के पुनः प्राप्ति के अवसर पर प्रकाशित

डिजाईन एवं मुद्रण: प्रिन्ट एक्सपोजर्स, जोधपुर